नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी का बिदाई समारोह

जबलपुर। विगत दिवस नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी के सफलत्तम चार वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों, अधिष्ठातागण, संचालकगण एवं कर्मचारियों की ओर से बिदाई समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी का शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया।

उद्‌बोधन का शुभारंभ डॉ. रमेश प्रताप सिंह बघेल, अधिष्ठाता संकाय ने करते हुये, आपने कहा कि माननीय कुलपति जी कार्यकाल इस विश्वविद्यालय के चहुँमुखी विकास की दिशा में वृहत उपलब्धियों भरा रहा। डॉ. यश पाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि हमें माननीय कुलपति जी से यह सीख मिली कि किसी भी कार्य को विषम परिस्थितियों में धैर्य के साथ सभी के सहयोग से संपादित किया जाना आवश्यक है, तभी विश्वविद्यालय प्रगति करते हुये, ऊँचाई के शिखर पर पहुँच सकता है। उद्‌बोधन की कड़ी में डॉ. जे.के. भारद्वाज संचालक प्रक्षेत्र अभिव्यक्ति देते हुये कहा कि माननीय कुलपति जी ने संयुक्त पशुधन प्रक्षेत्र को भारतीय पशुचिकित्सा परिषद के मापंदड के अनुरूप **''उत्कृष्ट निर्देशात्मक पशुधन प्रक्षेत्र परिसर''** को एक आदर्श फार्म के रूप में तो विकसित किया ही, साथ इसी परिसर में भारत रत्न माननीय **''नानाजी के स्वप्नों को साकार करने की दिशा में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय''** के प्रशासनिक भवन को भव्य स्वरूप प्रदान करते हुये, विगत वर्ष पंचम दीक्षांत समारोह का भव्य एवं सफलत्तम आयोजन संपन्न हुआ।

कुलसचिव डॉ. विनोद बाजपेयी ने उद्‌बोधित करते हुये कहा कि हमारे कुलपति जी किसी भी प्रशासनिक लेखन कार्य को सजगता, सहजता एवं सरलता से संपादित कराते हैं, जो कि कार्य की सफलता की कुंजी है। साथ ही आपने उनके कार्यकाल को बेहद उपलब्धियों भरा निरूपित किया। निःसंदेह विश्वविद्यालय को नई–नई ऊँचाईयाँ मिली हैं। हम सभी के लिये गौरव का विषय है।

बिदाई समारोह की बेला में माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी ने प्रकाश डालते हुये कहा कि सभी के परस्पर सहयोग से विश्वविद्यालय प्रगति करता है, जब इसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्टाफ का भी सहयोग हो। विश्वविद्यालय ने कुछ ही विगत वर्षों जो उपलब्धि हासिल हुई हैं, यह आप सभी के सहयोग से यह संभव हो सका है, इस हेतु आपने सभी को साधुवाद दिया।

इस बिदाई कार्यक्रम के अवसर पर डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा ने आभार प्रदर्शन करते हुये बताया कि माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी ने 26 फरवरी 2016 को कार्यभार ग्रहण किया था। इन विगत चार वर्षों में विश्वविद्यालय के विकास की दिशा में संचालनालय विस्तार शिक्षा में जन जातीय उपयोजना, फार्मर फर्स्ट परियोजना, मेरा गाँवः मेरा गौरव, उन्नत भारत अभियान, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि शिक्षा योजना तथा भारतीय कृषि कौशल विकास योजनान्तर्गत परियोजनायें सफलता पूर्वक संचालित हो रही हैं, जिससे विश्वविद्यालय की विकसित आधुनिकत्तम तकनीकीयों का प्रचार–प्रसार निरंतर जारी है, साथ ही विश्वविद्यालय में 2 डेयरी सांइस कॉलेजों क्रमशः जबलपुर व ग्वालियर, कृषि विज्ञान केन्द्र, राहतगढ, सागर में कृषकों हेतु 100 बिस्तर का छात्रावास जो कि निर्माणाधीन है तथा विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन की आधारशिला के साथ ही जिला मंडला एवं रायसेन में एक–एक वेटरनरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदत्त हो चुकी है, आदि विकास कार्यों के प्रति यह वि.वि. कृत संकल्पित है।

इस अवसर पर वि.वि. के प्रशासनिक अधिकारियों, अधिष्ठातागणों, संचालकगणों, प्राध्यापकों व कर्मचारियों की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही है।

सूचना एवं जनंसपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)